हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

अंक योजना

कक्षा - ग्यारहवीं　　विषय : (हिन्दी आधार)

समयावधि : 3 घंटे　　कुल अंक : 80

सामान्य निर्देश :-

1) अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2) वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिये गये उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दें तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उप भाग	उत्तर संकेत/ मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
		खंड - अ (बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	स- सहनशीलता और सेवा ग- स्वार्थपूर्ण घ- पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है ख - वृक्षारोपण और जल संरक्षण करना चाहिए घ- आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन कठिन हो जाएगा	1 1 1 1 1
2	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	ख - प्रकृति की चुप बातें भी अर्थपूर्ण होती हैं ग- मानवीकरण ख - मौन की गहराई में उतरना ग- ठहराव और आत्मचिंतन ग- प्रकृति के भीतर छिपी कहानियाँ हैं	1 1 1 1 1
3	(i) (ii)	ग - कुम्हार (ईश्वर) क - सार तत्व ग्रहण करना	1 1

	(iii) (iv) (v)	ग - भौतिक सुखों को घ - आदिवासियों का ग - 1(iii) , 2(i) , 3(ii)	1 1 1
4	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	ख - अलोपीदीन घ -ट्यूशन न लेने पर अध्यापकद्वारा कम अंक देने के कारण ग - संस्मरण ख - कुशाग्र बुद्धि ख - 1(ii) , 2(iii) , 3(i)	1 1 1 1 1
5	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	क - समूह संचार ग - संपादन के सिद्धांत ख - डायरी नितांत वैयक्तिक रचना है क - फ़्लैशबैक ग - मज़ेदार और मनोरंजक समाचारों को	1 1 1 1 1
6	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	क- तत्पुरुष ग - 1(iii) , 2(i) , 3(iv) , 4 (ii) क - वह दस आम लेकर आया क - शब्द क्रम संबंधी लंबा उदर है जिसका (गणेश जी)	1 1 1 1 1
खंड ख (वर्णनात्मक प्रश्न)			
7		**प्रसंग व संदर्भ** - कबीर के पद **व्याख्या** - ईश्वर के एक स्वरूप का वर्णन **काव्य - सौन्दर्य** - अनुप्रास व यमक अलंकार, सधुक्कड़ी / पंचमेली खिचड़ी , निर्गुण ईश्वर/एक ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास, संगीतात्मकता,संबोधन शैली आदि **अथवा**	1 3 1
	(i)	कविता का नाम 'चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती' कवि का नाम- त्रिलोचन	1
	(ii)	यह काव्यांश लोक भावना से संबंधित है। चंपा अनपढ़ बालिका है और वह कवि को पढ़ते-लिखते देखकर हैरान होती है।	1
	(iii)	चंपा सुन्दर नामक गवाले की अनपढ़ बेटी है। वह पशु चराने का काम करती है।	1
	(iv)	चंपा कवि के पास उस समय आकर खड़ी हो जाती है जब कवि कुछ पढ़ने लगता है।	1
	(v)	चंपा को काले-काले अक्षर देखकर अचरज होता है क्योंकि उसे अक्षरों की पहचान नहीं है। उसकी दृष्टि में तो वे लकीरें ही हैं।	1
8	(क)	• पूरे संसार में एक ही पवन का बहना। • पूरे संसार में एक ही प्रकार का जल का बहना। • एक ही मिट्टी का होना। पर उससे भिन्न-भिन्न बर्तनों का निर्माण। • संवेदनहीन शासन व्यवस्था पर कटाक्ष।	3

	(ख)	• सामूहिक आवाज़ में शासन को को बदलने की ताकत । •अपने राजनैतिक लोगों का भी, विदेशी शासकों जैसा व्यवहार।	2
9		**प्रसंग व संदर्भ -** **व्याख्या** - विवेकानुसार **विशेष** - विवेचनातमक शैली, वाक्य विन्यास सटीक, भाषा सहज । **अथवा** शेखर जोशी व गलता लोहा	1 3 1
	(i)	मोहन एक दिन बड़ा आदमी बनकर, स्कूल और उनका नाम ऊँचा करेगा	1
	(ii)	बड़ा आदमी बनाने का स्वप्न देखने लगे। मोहन एक दिन बड़ा आदमी बने और अपने वंश की गरीबी को दूर करे।	1
	(iii)	गाँव में आगे की पढ़ाई के लिए स्कूल न होना।	1
	(iv)		1
	(v)		1
10	(क)	निर्धन एवं अभावग्रस्त दृढ़ निश्चयी और कर्मठ कर्त्तव्यनिष्ठ पारखी	3
	(ख)	उत्तर- प्रकृति प्रेम के साथ-साथ संस्कृति-प्रेम की भी प्रेरणा, कविता का प्रमुख लक्ष्य झारखंड के संथाली रंग और जीवन-शैली को बचाना, आज के बढ़ते भौतिकतावादी व उपयोगितावादी युग में आँचलिक संस्कृति और प्रकृति को गहरा धक्का, कवयित्री इस कविता के माध्यम से वहाँ की संस्कृति को शहरी अपसंस्कृति से बचाकर झारखंड की माटी के रंग में रंगना चाहती है।	2
11			5

		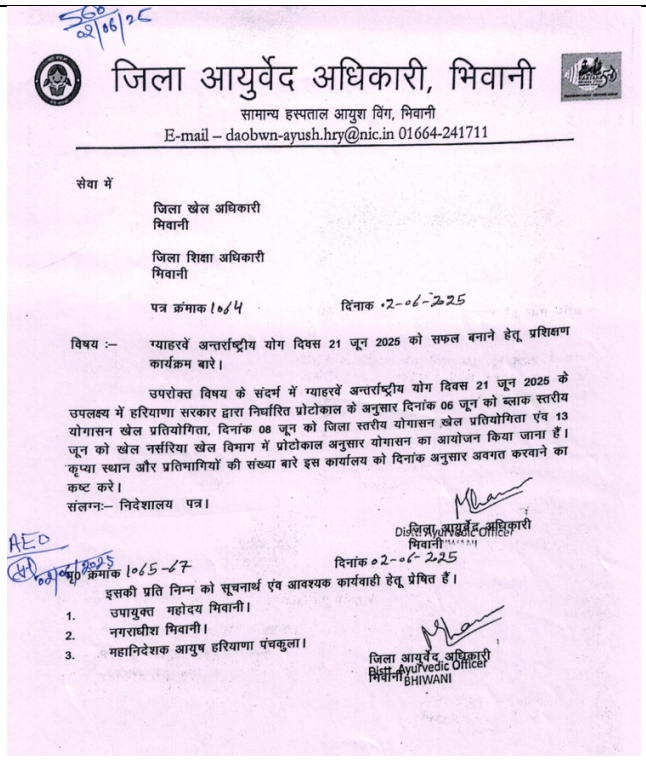 जिला आयुर्वेद अधिकारी, भिवानी सामान्य हस्पताल आयुश विंग, भिवानी E-mail – daobwn-ayush.hry@nic.in 01664-241711 सेवा में जिला खेल अधिकारी भिवानी जिला शिक्षा अधिकारी भिवानी पत्र क्रमांक 1064 दिनांक 02-06-2025 विषय :– ग्याहरवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को सफल बनाने हेतू प्रशिक्षण कार्यक्रम बारे। उपरोक्त विषय के संदर्भ में ग्याहरवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 के उपलक्ष्य में हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार दिनांक 06 जून को ब्लाक स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता, दिनांक 08 जून को जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता एंव 13 जून को खेल नर्सरिया खेल विभाग में प्रोटोकाल अनुसार योगासन का आयोजन किया जाना हैं। कृप्या स्थान और प्रतिभागियों की संख्या बारे इस कार्यालय को दिनांक अनुसार अवगत करवाने का कष्ट करे। संलग्नः– निदेशालय पत्र। जिला आयुर्वेद अधिकारी भिवानी पत्र क्रमांक 1065-67 दिनांक 02-06-2025 इसकी प्रति निम्न को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषित हैं। 1. उपायुक्त महोदय भिवानी। 2. नगराधीश भिवानी। 3. महानिदेशक आयुष हरियाणा पंचकुला। जिला आयुर्वेद अधिकारी भिवानी **अथवा** • परिचय • अनुभव • शैक्षणिक योग्यता • उपलब्धि • रुचि	
12	(क) (ख)	सूचना प्रदान करना शिक्षित/ जागरूक करना मनोरंजन करना निगरानी करना एजेंडा तय करना विचार विमर्श के मंच दृश्य योजना में अंतर नाटक सजीव कला का माध्यम जबकि पटकथा रिकॉर्डिड नाटक - सीमित अवधि, पटकथा - कोई निश्चित अवधि नहीं नाटक - दृश्यों व पात्रों की संख्या सीमित, पटकथा - निश्चित नहीं	3 2
13	(क)	• पूर्णतः असहमत • करुणा का भाव गीत की आवश्यकता के अनुसार • जीवन से जुड़ाव • करुण रस के गानों के स्वर में भी कोमलता	3

	(ख)	• जल को प्रकृति की अनमोल धरोहर बताया है • मरुभूमि में कुंई और कुओं के महत्त्व को दर्शाया गया है। • भावी पीढ़ी लिए पानी के बचाव प्रति सजगता।	2
	(ग)	• बड़े लड़के की दो महीने से कोई सूचना न होना। • बेटे को ले जाने वाले लोगों से संतोषजनक उत्तर न मिलना।	2
14	(क)	यमक - समान शब्द लेकिन अर्थ अलग जैसे - काली <u>घटा</u> का घमंड <u>घटा</u> (बादलों की घटा) (कम होना) श्लेष - शब्द एक लेकिन अर्थ दो या दो से ज़्यादा मंगन को देख <u>पट</u> देत बार - बार है पट - वस्त्र और दरवाज़ा	3
	(ख)	भो+ अन, नौ + इक	1+1=2
15	(क)	'गीता' में यह बताया गया है कि कर्म करो फल की चिंता मत करो। हमारे हाथ में केवल कर्म करना है। उस कर्म का फल प्राप्त करना हमारे हाथ में नहीं है। अतः 'गीता' कहती है कि कर्तव्य को ही अपना अधिकार समझकर उसमें ही अपनी ऊर्जा और क्षमता को विश्वासपूर्वक लगा दो। फल की इच्छा अर्थात् भविष्य की चिन्ता मत करो।	2
	(ख)	एक युवक से आधी रात के समय सो रहा था। अचानक वह उठा और 'बचाओ-बचाओ' चिल्लाते हुए भागा। इससे पहले कि परिवार के लोग उसे पकड़ पाते. वह भागते-भागते दूर जाकर गिर पड़ा और बुरी तरह घायल हो गया। पूछने पर उसने बताया कि सोने से पहले वह ऐसा ही उपन्यास पढ़ रहा था। उस उपन्यास की घटना ने उसके मस्तिष्क पर ऐसा प्रभाव डाला जिसका परिणाम यह निकला।	2
	(ग)	• प्रतिकूल परिस्थितियों में धैर्य धारण करना • परीक्षा परिणाम में तनिक सी प्रतिकूलता में निराशा व अवसाद की बजाय धैर्य धारण करना	2
	(घ)	• भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन में वैज्ञानिक • सन् 1992 से 1999 तक रक्षामंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा सुरक्षा शोध और विकास विभाग के सचिव • भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार थे। • भारत के राष्ट्रपति - जुलाई 2002 से जुलाई 2007 तक	2